indiresult.in whatsapp - 9352018749

संस्कृत

1. वैदिक साहित्य

वैदिक साहित्य का इतिहास
वैदिक काल–निर्धारण के विषय में विभिन्न सिद्धान्त–मैक्समूलर; ए0 बेबर; जैकोबी; बालगंगाधर तिलक; एम्0 विन्टरनिट्ज एवं भारतीय परम्परागत विचार।

वेदांग

वेदांगों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय
शिक्षा; कल्प; व्याकरण; निरुक्त; छन्द; ज्योतिष।
निरुक्त (अध्याय 1 और 2)
चार पद– नाम का विचार; आख्यात का विचार; उपसर्गो का अर्थ; निपातों की कोटियाँ।
क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)
निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य
निर्वचन के सिद्धान्त
निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियॉ
आचार्य, गो, वृत्र, आदित्य, वाक्, नदी, पुत्र, अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु।

देवता

ऋग्वेद– अग्नि 1.1; 5.8; सवितृ 1.35; 2.38; इन्द्र 1.32; 2.12;रुद्र 1.114; पुरुष सूक्त 10.121; नासदीय 10.129; हिरण्यगर्भ 10.121;
यजुर्वेद– शिवसंकल्प सूक्त 34.1–6;
अथर्ववेद–भूमि सूक्त 12.1;

विषय–वस्तु

संहिता– सामान्य परिचय
ब्राह्मणग्रन्थ– सामान्य परिचय
आरण्यकग्रन्थ– सामान्य परिचय
उपनिषद्– ईश; केन; कठ; तैत्तिरीय, बृहदारण्यक
वैदिक व्याख्या पद्धति– प्राचीन एवं अर्वाचीन; वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर।

2. दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका–
सत्कार्यवाद; पुरुष–स्वरूप; प्रकृति स्वरूप; सृष्टि–क्रम; प्रत्ययसर्ग एवं कैवल्य।
सदानन्द का वेदान्तसार–
अनुबन्ध–चतुष्ट्य; अज्ञान; अध्यारोप–अपवाद; विवर्त; जीवनमुक्ति।
केशवमिश्र की तर्कभाषा–
पदार्थ; कारण; प्रमाण–प्रत्यक्ष; अनुमान; उपमान; एवं शब्द प्रमाण।
जैन दर्शन एवं बौद्धदर्शन का सामान्य अध्ययन।

indiresult.in whatsapp - 9352018749

indiresult.in whatsapp - 9352018749

3. व्याकरण

परिभाषाएं– संहिता; गुण; वृद्धि; प्रातिपदिक; नदी; घि; उपधा; अपृक्त; गति; पद; विभाषा; सवर्ण; टि; प्रगृह्य; सर्वनामस्थान; निष्ठा।
शब्द रूप– अजन्त, हलन्त, सर्वनाम एवं संख्यावाचक शब्द।
धातु रूप– परस्मैपदी, आत्मनेपदी एवं उभयपदी।
प्रत्यय–कृत एवं तद्धित प्रत्यय।
कारक– लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
समास– लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
सन्धि– लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

4. संस्कृत एवं उत्तराखण्ड का आधुनिक संस्कृत साहित्य तथा काव्यशास्त्र

पद्य– रघुवंश; मेघदूत; किरातार्जुनीय; शिशुपालवध; नैषधीयचरित; बुद्धचरित–सामान्य परिचय
गद्य– दशकुमारचरित; हर्षचरित; कादम्बरी; भीष्मचरित; गंगापुत्रावदान–सामान्य परिचय
नाटक– स्वप्नवासवदत्ता; अभिज्ञानशाकुन्तल; मृच्छकटिक; उत्तररामचरित; मुद्राराक्षस; रत्नावली; वेणीसंहार–सामान्य परिचय

काव्यशास्त्र

साहित्यदर्पण
काव्य की परिभाषा
काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन
शब्दशक्ति– संकेतग्रह; अभिधा; लक्षणा; व्यंजना
रस (रस–भेद स्थायी भावों सहित)
रूपक के प्रकार
नाटक के लक्षण
महाकाव्य के लक्षण

अन्य

रामायण; महाभारत; पुराण; मनुस्मृति; याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय); कौटिलीय अर्थशास्त्र।

.....

indiresult.in whatsapp - 9352018749